भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 6327

महाराष्ट्र में पर्यटन केन्द्रों की कनेक्टिविटी

†6327. श्री बलवंत बसवंत वानखडे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देशभर के पर्यटन केन्द्रों के लिए सड़क संपर्क में सुधार लाने के लिए किसी कार्य योजना को अंतिम रूप दिया है;

(ख) यदि हां, तो वित्तीय आवंटन, कार्यान्वयन की स्थिति और प्रत्येक परियोजना के लिए समय-सीमा सहित ऐसी पहलों का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त कार्य योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में महाबलेश्वर, अजंता-एलोरा और मेलघाट जैसे गंतव्यों सहित पर्यटन केन्द्रों को बेहतर कनेक्टिविटी से कितना लाभ होने की संभावना है और पर्यटन आवक और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसका कितना प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास एवं अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास एवं अनुरक्षण एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास प्रधानमंत्री गति शक्ति ढांचे के तहत समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ नेटवर्क नियोजन के बाद किया जाता है। इस तरह के विकास की योजना बनाते समय, महत्वपूर्ण आर्थिक, पर्यटन और धार्मिक केंद्रों/नोड्स से संपर्कता को हमेशा ध्यान में रखा जाता है, जिसमें पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्राथमिकता दिए गए पर्यटन/धार्मिक स्थलों से संपर्कता भी शामिल है।

वर्तमान में, पर्यटन और धार्मिक केंद्रों/नोड्स सहित पूरे देश में संपर्कता में सुधार के लिए लगभग 7.60 लाख करोड़ रू की पूंजीगत लागत से लगभग 27,300 किलोमीटर लंबाई की 1,244 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें से 14,733 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। ये परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं और वित्तीय वर्ष 2029-30 तक चरणबद्ध तरीके से पूर्ण होने वाली हैं। इन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण अनुलग्नक में संलग्न है।

(ग) वर्तमान में, महाराष्ट्र राज्य में लगभग 57,518 करोड़ रू की लागत से लगभग 2,634 किमी लंबाई की 118 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनका उद्देश्य पर्यटन और धार्मिक केंद्रों/नोड्स सहित पूरे राज्य में संपर्कता में सुधार करना है, जिससे पर्यटन अन्तर्वाह और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ, अजंता तक बेहतर संपर्कता के लिए एनएच-753एफ के औरंगाबाद-सिल्लोद-अजंता-जलगांव खंड का उन्नयन/पुनर्निर्माण शामिल है। एनएच-66 और एनएच-48 पर किए जा रहे सुधार कार्यों से महाबलेश्वर तक संपर्कता बेहतर करने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार, एनएच-52 पर किए जा रहे सुधार कार्यों से एलोरा तक बेहतर संपर्कता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने मेलघाट तक संपर्कता में सुधार के लिए एनएच-347बी के बेतूल-खंडवा खंड पर दो/चार लेन निर्माण कार्य भी प्रारंभ किए हैं।

अनुलग्नक

'महाराष्ट्र में पर्यटन केन्द्रों की कनेक्टिविटी' के संबंध में श्री बलवंत बसवंत वानखडे द्वारा दिनांक 02.04.2026 के लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 6327 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार के अनुसार निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का विवरण:-

क्रम संख्या	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	संख्या	लंबाई (किमी में)	लागत (करोड़ रू में)
1	अंडमान और निकोबार	4	90	763
2	आंध्र प्रदेश	82	1,904	42,298
3	अरुणाचल प्रदेश	16	452	7,783
4	असम	52	1,104	43,425
5	बिहार	67	1,914	67,680
6	छत्तीसगढ़	38	632	10,901
7	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	3	37	338
8	दिल्ली	1	9	1,467
9	गोवा	16	26	1,814
10	गुजरात	43	1,053	28,461
11	हरियाणा	18	318	14,157
12	हिमाचल प्रदेश	31	518	14,126
13	जम्मू और कश्मीर	42	778	38,381
14	झारखंड	35	847	21,255
15	कर्नाटक	82	2,044	45,535
16	केरल	17	544	41,784
17	लद्दाख	5	113	1,294
18	मध्य प्रदेश	60	2,098	37,130
19	महाराष्ट्र	118	2,634	57,518
20	मणिपुर	31	749	10,259
21	मेघालय	14	309	6,268
22	मिजोरम	15	292	8,991
23	नागालैंड	21	378	5,429
24	ओडिशा	57	695	14,037
25	पुदुचेरी	1	14	25
26	पंजाब	34	1,029	31,565
27	राजस्थान	36	772	13,011
28	सिक्किम	9	132	3,195

29	तमिलनाडु	45	697	31,849
30	तेलंगाना	42	1,412	27,642
31	त्रिपुरा	11	228	4,562
32	उत्तर प्रदेश	97	2,509	96,656
33	उत्तराखंड	72	750	20,322
34	पश्चिम बंगाल	29	219	9,947

*****